चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
Ch. Charan Singh University, Meerut

पत्रांक : परीक्षा/डी0आर0/25 दिनांक : 02.04.2026

विज्ञप्ति

चौ0 चरण सिहं विश्वविद्यालय, मेरठ एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित चार वर्षीय स्नातक आनर्स (एन0ई0पी0) पाठ्यक्रमों के उत्तीर्णांक/ग्रेडिंग/बैक पेपर इत्यादि सम्बन्धी संशोधित अध्यादेश जो विद्वत परिषद की बैठक दिनांक 18.03.2026 के मद संख्या–6 द्वारा अनुमोदित हैं, की प्रति इस पत्र के साथ संलग्न है।

समस्त सम्बन्धित महाविद्यालय/विभाग/शिक्षक/छात्र/छात्रा नियमों को गम्भीरता से अध्ययन करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

परीक्षा नियंत्रक

प्रतिलिपि :–

1. समस्त विभागाध्यक्ष/समन्वयक चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर, मेरठ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
2. समस्त प्राचार्य/प्राचार्या, सम्बद्ध महाविद्यालय, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
3. व्यैक्तिक सहायक, कुलसचिव को कुलसचिव जी के सूचनार्थ।
4. सहा0 कुलसचिव (गोपनीय)/समन्वयक रिजल्ट सेल/प्रभारी कम्प्यूटर केन्द्र को सूचनार्थ।
5. प्रभारी–अतिगोपनीय विभाग/कमेटी सैल/बी0एड0 सैल/व्यवसायिक पाठ्यक्रम।
6. विश्वविद्यालय द्वारा अधिकृत समस्त एजेंसियों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
7. विश्वविद्यालय पूछताछ केन्द्र।
8. विश्वविद्यालय प्रेस प्रवक्ता।
9. गार्डफाइल।

02/04

उप कुलसचिव (परीक्षा)

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
Chaudhary Charan Singh University, Meerut

NEP-2020 के अंतर्गत एकल मुख्य विषय में चतुर्वर्षीय स्नातक (ऑनर्स/शोध सहित ऑनर्स) [Four Year Graduation (Honours /Honours with Research) with Single Major] हेतु प्रवेश/परीक्षा/बैक पेपर एवं ग्रेडिंग प्रणाली सम्बन्धी नियम

नेशनल एजूकेशन पॉलिसी–2020 के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश शासन एवं यू0जी0सी0 द्वारा समय–समय पर निर्गत नियमों के आलोक में तथा विद्वत परिषद की बैठक दिनांक 29.05.2024 में लिये गये निर्णय के अनुपालन में विश्वविद्यालय परिसर (एवं महाविद्यालयों) में सत्र 2024–25 से संचालित एकल मुख्य विषय में चतुर्वर्षीय स्नातक (ऑनर्स/शोध सहित ऑनर्स) डिग्री कार्यक्रमों हेतु एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम प्रख्यापित किये जाते हैं :–

1. प्रवेश अर्हता :
   (I) सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रमाण पत्र या उच्चतर माध्यमिक (12वीं कक्षा) प्रमाण पत्र जो ग्रेड 12 या स्तर–4 के अनुरूप शिक्षा के समकक्ष चरण से सम्बन्धित हो एवं
   (II) विषय एवं कार्यक्रम के अनुरूप विश्वविद्यालय द्वारा प्रख्यापित अर्हता।
2. अवधि : चार वर्ष (आठ सेमेस्टर)
3. डिग्री पूरी करने की अधिकतम अवधि : सात वर्ष
4. कोर्स क्रेडिट :

4.1 एकल मुख्य विषय में चतुर्वर्षीय (आठ सेमेस्टर) स्नातक (ऑनर्स) डिग्री/Four Years Graduation (Honours) with Single Major Degree : कुल 166 क्रेडिट।

4.2 एकल मुख्य विषय में चतुर्वर्षीय (आठ सेमेस्टर) स्नातक (शोध सहित ऑनर्स) डिग्री/Four Years Graduation (Honours with Research) with Single Major Degree : कुल 166 क्रेडिट।

5. एकाधिक प्रवेश एवं निकास विकल्प (Multiple Entry and Exit Options) :

5.1 एकल मुख्य विषय में एक वर्षीय स्नातक प्रमाण पत्र [One Year UG Certificate (with Single Major)] :

5.1.1 एकल मुख्य विषय में एक वर्षीय स्नातक प्रमाण पत्र हेतु प्रथम वर्ष (दो सेमेस्टर्स) में 44 क्रेडिट एवं एक व्यवसायिक पाठ्यक्रम (Vocational Course)/इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता (Apprenticeship)/परियोजना (Project)/सामुदायिक आउटरीच(Community Outreach)/कार्यशाला (Workshop)के माध्यम से अनिवार्य 4 क्रेडिट अर्थात् कुल 48 क्रेडिट अर्जित करना अनिवार्य है।

5.1.2 एकल मुख्य विषय में एक वर्षीय स्नातक प्रमाण पत्र के उपरांत उपर्युक्त स्नातक डिग्री कार्यक्रम में पुनः प्रवेश :
   (i) अधिकतम तीन वर्ष के भीतर अनुमत।
   (ii) एकलविषय में एक वर्षीय स्नातक प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरांत अधिकतम तीन वर्ष के भीतर ही उपर्युक्त स्नातक कार्यक्रम के द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में पुनः प्रवेश अनुमत होगा, बशर्ते प्रथम वर्ष (दो सेमेस्टर) में बिंदु 5.1.1 के अनुसार एक व्यवसायिक पाठ्यक्रम (Vocational Course)/इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता (Apprenticeship)/परियोजना (Project)/सामुदायिक आउटरीच (Community Outreach)/कार्यशाला (Workshop) के माध्यम से अनिवार्य 4 क्रेडिट सहित कुल 48 क्रेडिट अर्जित किए गए हों।
   (iii) एकल मुख्य विषय में चतुर्वर्षीय स्नातक (ऑनर्स/शोध सहित ऑनर्स) डिग्री कार्यक्रम अधिकतम सात वर्ष की निर्धारित अवधि में पूरा करना अनिवार्य होगा।

5.2 एकल मुख्य विषय में द्विवर्षीय स्नातक डिप्लोमा [Two year UG Diploma with Single Major] :

5.2.1 एकल मुख्य विषय में द्विवर्षीय स्नातक डिप्लोमा हेतु दो वर्ष (चार सेमेस्टर्स) में 86 क्रेडिट एवं एक व्यवसायिक पाठ्यक्रम (Vocational Course)/इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता (Apprenticeship)/परियोजना (Project)/सामुदायिक आउटरीच (Community Outreach)/कार्यशाला (Workshop) के माध्यम से अनिवार्य 4 क्रेडिट अर्थात् कुल 90 क्रेडिट अर्जित करना अनिवार्य है।

5.2.2 एकल मुख्य विषय में द्विवर्षीय स्नातक डिप्लोमा के उपरान्त उपर्युक्त स्नातक डिग्री कार्यक्रम में पुनः प्रवेश :
   (i) अधिकतम तीन वर्ष के भीतर अनुमत।
   (ii) एकल विषय में द्विवर्षीय स्नातक डिप्लोमा प्राप्त करने के उपरान्त अधिकतम तीन वर्ष के भीतर ही उपर्युक्त स्नातक कार्यक्रम के तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर) में पुनः प्रवेश अनुमत होगा, बशर्ते प्रथम दो वर्षों (चार सेमेस्टर्स) में बिंदु 5.2.1 के अनुसार एक व्यवसायिक पाठ्यक्रम (Vocational Course)/इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता (Apprenticeship)/परियोजना

(Project)/ सामुदायिक आउटरीच (Community Outreach)/कार्यशाला (Workshop) के आधार पर अनिवार्य 4 क्रेडिट सहित कुल 90 क्रेडिट अर्जित किए गए हों।

(iii) एकल मुख्य विषय में चतुर्वर्षीय स्नातक (ऑनर्स/शोध सहित ऑनर्स) डिग्री कार्यक्रम अधिकतम सात वर्ष की निर्धारित अवधि में ही पूरा करना अनिवार्य होगा।

5.3 **एकल मुख्य विषय में त्रिवर्षीय स्नातक डिग्री (Three Year Under Graduate Degree with Single Major Degree)** :–एकल मुख्य विषय में त्रिवर्षीय स्नातक डिग्री हेतु कुल छः सेमेस्टर में 126 क्रेडिट प्राप्त करना अनिवार्य है।

5.3.2 **एकल मुख्य विषय में त्रिवर्षीय स्नातक डिग्री के उपरान्त उपरोक्त स्नातक डिग्री कार्यक्रम में पुनः प्रवेश** : एकल मुख्य विषय में त्रिवर्षीय स्नातक डिग्री प्राप्त करने के अधिकतम तीन वर्ष के भीतर ही एकल मुख्य विषय में स्नातक (आनर्स/शोध सहित आनर्स) कार्यक्रम के चतुर्थ वर्ष (सप्तम सेमेस्टर) में प्रवेश निम्नलिखित शर्तों के अधीन अनुमत होगा :–

(i) यद्यपि चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से एकल मुख्य विषय में उपर्युक्त त्रिवर्षीय स्नातक डिग्री प्राप्त प्रत्येक विद्यार्थी एकल मुख्य विषय में चतुर्वर्षीय स्नातक डिग्री के लिए अर्ह होगा लेकिन एकल मुख्य विषय में चतुर्वर्षीय स्नातक (ऑनर्स) डिग्री कार्यक्रम की तीन चौथाई सीटों पर एवं एकल मुख्य विषय में चतुर्वर्षीय स्नातक (शोध सहित आनर्स) डिग्री के लिए निर्धारित एक चौथाई सीटों पर प्रवेश मेरिट के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सीमा में विभागीय/महाविद्यालय स्तर पर किए जाएंगे।

(ii) एकल मुख्य विषय में चतुर्वर्षीय स्नातक (शोध सहित आनर्स) डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश हेतु एकल मुख्य विषय में त्रिवर्षीय स्नातक डिग्री न्यूनतम 6.5 CGPA के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

(iii) एकल मुख्य विषय में चतुर्वर्षीय स्नातक (शोध सहित आनर्स) डिग्री हेतु निर्धारित एक चौथाई सीटों में से रिक्त सीटों पर एकल मुख्य विषय में चतुर्वर्षीय स्नातक ऑनर्स कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सीमा में विभागीय/महाविद्यालय स्तर पर प्रवेश दिये जाएंगे।

6. **कोर्स/पेपर के घटक एवं क्रेडिट्स (Components of a Course and Credits):**

6.1 कार्यक्रम के विभिन्न कोर्सेस में केवल व्याख्यान घटक/व्याख्यान व ट्यूटोरियल घटक/व्याख्यान व प्रैक्टिकल घटक/व्याख्यान, ट्यूटोरियल व प्रैक्टिकल घटक/केवल प्रैक्टिकल घटक हो सकते हैं।

6.2 1 क्रेडिट के व्याख्यान/ट्यूटोरियल एक सप्ताह में एक घंटे एवं एक सेमेस्टर में 15 घंटे के शिक्षण कार्य के बराबर होंगे।

6.3 1 क्रेडिट के प्रेक्टिकल एक सप्ताह में दो घंटे एवं एक सेमेस्टर में 30 घंटे के बराबर होंगे।

6.4 4 क्रेडिट का व्यवसायिक पाठ्यक्रम (Vocational Course)/इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता (Apprenticeship)/परियोजना (Project)/सामुदायिक आउटरीच (Community Outreach)/कार्यशाला (Workshop) 120 घंटे के बराबर होगा।

7. <u>आंतरिक/बाह्य परीक्षा एवं अंक निर्धारण</u>

7.1 व्यक्तिगत कोर्स/पेपर की आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु सम्बन्धित कोर्स/पेपर में विद्यार्थी की 75% उपस्थिति अनिवार्य अर्हता होगी। विशेष परिस्थितियों (मेडिकल लीव इत्यादि) में कुलपति द्वारा नियमानुसार उपस्थिति में छूट दी जा सकती है। इस प्रकार की छूट प्राप्त करना विद्यार्थी का अधिकार नहीं होगा। कोर्स/पेपर विशेष में अथवा किसी सेमेस्टर के सम्पूर्ण कोर्सेस/पेपर्स में उपस्थिति पूर्ण न होने की दशा में विद्यार्थी को निर्धारित समय सीमा में सम्बन्धित सेमेस्टर में पुनः प्रवेश लेकर नियमानुसार उस विशेष कोर्स/पेपर अथवा उस सेमेस्टर के सम्पूर्ण कोर्सेस/पेपर्स का पुनः पठन–पाठन एवं आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा।

7.2 उपर्युक्त उपस्थिति प्रतिशत (75 प्रतिशत) का संबंध किसी भी प्रकार के अंक निर्धारण से नहीं होगा।

7.3 75 प्रतिशत उपस्थिति पूर्ण करने वाला विद्यार्थी यदि बाह्य परीक्षा/परीक्षाओं में अनुपस्थित/अनुत्तीर्ण होता है तो वह संबंधित कोड की बाह्य परीक्षा में एक्स/बैक विद्यार्थी के रूप में नियमानुसार सम्मिलित हो सकेगा।

7.4 बाह्य परीक्षाओं में एक्स अथवा बैक परीक्षार्थी के रूप में सम्मिलित विद्यार्थी के आंतरिक मूल्यांकन में पूर्व में प्राप्त अंक (शून्य अथवा शून्य से इतर) जो भी प्राप्त हुए हों ही मान्य होंगे।

7.5 आंतरिक परीक्षाओं में अनुपस्थित अथवा अनुत्तीर्ण विद्यार्थी भी बाह्य परीक्षा में सम्मिलित होने के अधिकारी होंगे।

7.6 आन्तरिक परीक्षा के अवयवों में अनुपस्थित होने पर सम्बन्धित अवयव में शून्य अंक प्रदान किए जाएंगे। आंतरिक परीक्षा के अवयवों में अनुपस्थित/अनुत्तीर्ण होने की दशा में आंतरिक मूल्यांकन हेतु किसी एक अवयव अथवा सम्पूर्ण कोर्स की पुनः/बैक परीक्षा का कोई प्रावधान नहीं होगा।

7.7 मुख्य (Major) एवं लघु (Minor) विषयों का प्रत्येक कोर्स/पेपर (सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक) पूर्णांक 100 का Credit Course है।

7.8 मुख्य (Major) एवं लघु (Minor) विषय के प्रत्येक सैद्धान्तिक (थ्योरी) कोर्स में पूर्णांक 100 में से 25 अंकों का सतत् आंतरिक मूल्यांकन एवं 75 अंकों का बाह्य मूल्यांकन सम्मिलित है।

7.9 प्रत्येक सैद्धान्तिक (थ्योरी) कोर्स/पेपर के 25 अंकों के आन्तरिक सतत् मूल्यांकन के तीन अवयव : (i) लिखित परीक्षा, (ii) क्विज, (iii) एसाइमेंट/प्रेसेन्टेशन/फील्ड वर्क/समकक्ष (विषय की प्रकृति के अनुसार) होंगे। इन अवयवों के अधिकतम अंक क्रमश : 15, 5 एवं 5 होंगे।

7.10 पूर्णतः थ्योरी पर आधारित प्रत्येक मेजर एवं माईनर विषय के पेपर की बाह्य परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु अधिकतम 75 अंकों में से न्यूनतम 23 अंक तथा सतत् आन्तरिक एवं बाह्य दोनों परीक्षाओं में कुल मिलाकर 36% अंक अर्थात् अधिकतम 100 अंकों में से न्यूनतम 36 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

7.11 पूर्णतः प्रयोगात्मक कोर्स (मेजर/माईनर) 100 अंकों का Credit Course कोर्स है जिसका केवल बाह्य मूल्यांकन, कुलपति द्वारा नामित बोर्ड ऑफ एक्जामिनर्स (एक आंतरिक एवं एक बाह्य परीक्षक) द्वारा समेकित रूप से किया जायेगा। प्रयोगात्मक कोर्स में उत्तीर्ण होने हेतु 36% अंक अनिवार्य हैं।

7.12 मेजर एवं माईनर कोर्स में थ्योरी एवं प्रैक्टिकल दोनों अवयव होने की स्थिति में, थ्योरी एवं प्रैक्टिकल के पृथक–पृथक अधिकतम पूर्णांक 50 अंक होंगे। थ्योरी अवयव की सतत् आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षा का मूल्यांकन, बिन्दु 7.8 एवं 7.9 के अनुसार क्रमश : 13 (8.0+2.5+2.5) अंक एवं 37 अंकों में से होगा। प्रैक्टिकल अवयव की केवल बाह्य परीक्षा होगी जिसका मूल्यांकन मा0 कुलपति द्वारा नामित बोर्ड ऑफ एक्जामिनर्स (एक आन्तरिक एवं एक वाहय परीक्षक) द्वारा समेकित रूप से किया जायेगा। प्रैक्टिकल की बाह्य परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु 30% अंक अर्थात् 15 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है तथा थ्योरी एवं प्रैक्टिकल दोनों अवयवों में कुल 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। प्रयोगात्मक परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर सम्बन्धित पेपर/कोर्स में विद्यार्थी अनुत्तीर्ण माना जायेगा।

7.13 **<u>स्किल एनहेंसमेंट कोर्स (SEC)</u>** 100 अंकों का Credit Course होगा जिसमें 40 अंकों की एक आन्तरिक परीक्षा (Objective/Subjective: कोर्स की प्रकृति के अनुसार) एवं 60 अंकों की एक बाह्य परीक्षा (प्रयोगात्मक/वायवा : कोर्स की प्रकृति के अनुसार) होगी। परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु बाह्य परीक्षा में न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक एवं बाह्य एवं आन्तरिक परीक्षा में कुल मिलाकर न्यूनतम 36 प्रतिशत अंक अनिवार्य है। बाह्य परीक्षा कुलपति द्वारा नामित बोर्ड ऑफ एक्जामिनर्स (एक आन्तरिक एवं एक बाह्य परीक्षक) द्वारा समेकित रूप से किया जायेगा।

7.14 **<u>एबिलिटी एनहेंसमेंट कोर्स(AEC)</u>** 100 अंकों का Credit Course होगा जिसमें 25 अंकों का सतत् आन्तरिक मूल्यांकन एवं 75 अंकों का बाह्य मूल्यांकन होगा। इन कोर्स/पेपर के आन्तरिक परीक्षाओं के समस्त अवयव एवं उत्तीर्णांक इत्यादि उपर्युक्त वर्णित मेजर/माइनरकोर्स/पेपर के अनुसार ही होंगे।

7.15 **<u>वेल्यू ऐडिड कोर्स (VAC)</u>** 100 अंकों का (2 क्रेडिट) कोर्स होगा। स्नातक ऑनर्स पाठ्यक्रम में कुल तीन **VAC** कोर्स करने होंगे, जिनमें से दो कोर्स (प्रथम एवं चतुर्थ सेमेस्टर) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित होंगे तथा एक कोर्स **SWAYAM** अथवा अन्य समकक्ष पोर्टल के माध्यम से पूर्ण किया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित **VAC** कोर्स में केवल बाह्य परीक्षा होगी, जिसकी परीक्षा एवं मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। **SWAYAM** अथवा अन्य समकक्ष पोर्टल से किया जाना वाला एक **VAC** कोर्स द्वितीय सेमेस्टर में पूर्ण किया जाना है। यदि कोई विद्यार्थी द्वितीय सेमेस्टर में यह कोर्स पूर्ण नहीं कर पाता है, तो उस विद्यार्थी को इस अथवा अन्य किसी **SWAYAM** कोर्स को तृतीय से षष्ठम सेमेस्टर के बीच अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा। **SWAYAM** कोर्स का समुचित संचालन **SWAYAM** एडवाइजरी कमेटी द्वारा निर्मित **SWAYAM** नीति के अंतर्गत किया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित **VAC** के लिए भी उत्तीर्णांक 36 ही होगें।

7.16 व्यवसायिक पाठ्यक्रम (Vocational Course)/इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता (Apprenticeship)/परियोजना (Project)/सामुदायिक आउटरीच (Community Outreach)/कार्यशाला (Workshop) की चार क्रेडिट की परीक्षा का मूल्यांकन 100 अंकों में से कुलपति द्वारा नामित बोर्ड ऑफ एक्जामिनर्स (एक आन्तरिक एवं एक बाह्य परीक्षक) द्वारा समेकित रूप से किया जायेगा। परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम 36 अंक अनिवार्य होंगे।

7.17 एकल विषय में चतुर्वर्षीय स्नातक (शोध सहित आनर्स) कार्यक्रम के चौथे वर्ष में वृहद शोध परियोजना कुल 12 क्रेडिटस् की होगी जो दो सेमेस्टर्स में सतत् कार्य करके पूर्ण करनी होगी। विद्यार्थी को यह शोध परियोजना, विभाग के एक पूर्णकालिक शिक्षक (Supervisor) के निर्देशन में करनी होगी। विद्यार्थी को आठवें सेमेस्टर में वृहद शोध परियोजना की रिपोर्ट/ Dissertation/Thesis विभाग में प्रस्तुतिकरण हेतु जमा करनी होगी जिसका मूल्यांकन कुलपति द्वारा नामित बोर्ड ऑफ एक्जामिनर्स (एक आन्तरिक परीक्षक (Supervisor) एवं एक बाह्य परीक्षक) द्वारा समेकित रूप से किया जायेगा।

7.18 वृहद शोध परियोजना 100 अंकों की होगी जिसके न्यूनतम 36 उत्तीर्णांक होंगे।

7.19 विद्यार्थी को वृहद शोध परियोजना के मूल्यांकन में 80 से अधिक अंक निम्न उपलब्धि पर ही दिए जा सकेंगे :– वृहद शोध परियोजना में किए गए कार्य पर आधारित शोध पत्र स्वीकृत/प्रकाशित होने पर बशर्ते एक शोध पत्रिका तत्कालीन UGC CARE List/SCOPUS/Web of Science में सम्मिलित हो अथवा दो राष्ट्रीय/अन्तराष्ट्रीय सेमिनार/वर्कशाप में न्यूनतम दो शोध पत्र प्रस्तुत किए हों।

~~7.20 किसी भी परीक्षा में ग्रेस मार्क्स (Grace marks) नहीं दिए जाएंगे।~~

7.21 कार्यक्रम को उत्तीर्ण करने हेतु अथवा प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष के उपरान्त Exit करने हेतु न्यूनतम 4.0 CGPA प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

7.22 एक्स अथवा बैक पेपर की सुविधा सम (विषम) सेमेस्टर्स के पेपर्स के लिए सम (विषम) सेमेस्टर्स में ही उपलब्ध होगी।

7.23 एक विद्यार्थी को बैक पेपर के रूप में किसी एक सेमेस्टर में, मुख्य विषय मेजर एवं माइनर के 50% क्रेडिट्स तक के थ्योरी व प्रेक्टिकल के पेपर ही अनुमत होंगे। एक विद्यार्थी दो सेमेस्टर्स की संपूर्ण परीक्षाएं एक साथ नहीं दे सकेगा।

7.24 बैक पेपर अथवा एक्स के रूप में सम्मिलित विद्यार्थी को तत्समय् संचालित कोर्स/पेपर तथा सम्बन्धित पाठ्यक्रम (Syllabus) के अनुसार ही परीक्षा अनुमत होगी।

7.25 विद्यार्थी **अनुत्तीर्ण कोर्स/पेपर** की बाह्य परीक्षा पूर्व निर्धारित समय सीमा में (काल बाधित न होने तक) कितनी भी बार दे सकता है।

7.26 विद्यार्थी द्वारा किसी भी श्रेणी के अन्तर्गत चुने गए कोर्स को बदलने की अनुमति नहीं होगी।

8. <u>आगामी सेमेस्टर में कक्षोन्नति (Promotion to the Next Semester)</u>

8.1 विद्यार्थी को वर्तमान सेमेस्टर में उपस्थिति पूर्ण होने की दशा में अगले सेमेस्टर में सदैव प्रोन्नत किया जायेगा, चाहे वर्तमान सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम कुछ भी हो।

8.2 प्रथम सेमेस्टर में 75 प्रतिशत उपस्थिति एवं परीक्षा फार्म सत्यापित/अग्रसारित होना अनिवार्य है ऐसा न होने की दशा में परीक्षार्थी का प्रवेश निरस्त समझा जायेगा। **(विद्वत परिषद निर्णय दिनांक 29.05.2024 मद संख्या–3)**

9. <u>Semster Grade Point Avarge (SGPA) एवं Cummulative Grade Point Avarge (CGPA) की गणना</u>

9.1 SGPA एवं CGPA की गणना निम्नवत सूत्रों से की जाएगी :

तालिका–1 (Table-2)

jthसेमेस्टर के लिए SGPA (Sj) =∑(Ci x Gi) /∑Ci	यहाँ पर: Ci = number of credits of the ith course in jth semester. Gi= grade point scored by the student in the ith course in jth semester.
CGPA = ∑(Cj x Sj) /∑Cj	यहाँ पर: Sj= SGPA of the jth semester. Cj= total number of credits in the jth semester.

9.2 CGPAको प्रतिशत अंकों में निम्नलिखित सूत्र के अनुसार परिवर्तित किया जायेगा :
समतुल्य प्रतिशत= CGPA x 9.5

9.3 विद्यार्थियों को निम्नवत सारणियों के अनुसार श्रेणी (Division) एवं ग्रेड/ग्रेड पाईंट प्रदान किए जाएंगे :

तालिका–2 (Table-2)

श्रेणी	वर्गीकरण
प्रथम श्रेणी	6.50 अथवा उससे अधिक CGPA
द्वितीय श्रेणी	5.00 अथवा उससे अधिक तथा 6.50 से कम CGPA
तृतीय श्रेणी	4.00 अथवा उससे अधिक तथा 5.00 से कम CGPA

तालिका–3 (Table-3)

लैटर ग्रेड	विवरण	अंको की सीमा	ग्रेड पॉइंट
O	Outstanding	91-100	10
A^+	Excellent	81-90	9
A	Very good	71-80	8

B^+	Good	61-70	7
B	Above Average	51-60	6
C	Average	41-50	5
P	Pass	36-40	4
F	Fail	0-35	0
AB	Absent	Absent	0

10. Curriculum and Credit Frame work of Four Year Graduation (Honours /Honours with Research) with Single Major

1. **Category of Discipline**
The Four-Year Under Graduate (Honours/Honours with Research) Degree program will comprise two categories of disciplines.

(i) **Major Discipline**
A discipline or subject of focus and the degree will be awarded in that discipline on securing the prescribed number of credits.

(ii) **Minor Discipline**
A discipline or subject other than the main subject of focus.

2. **Category of Courses**

I. **Major Discipline Specific Core Course (MJDSCC)**
MJDSCC are the core credit courses of the specific discipline spreading across the semesters giving adequate knowledge of the Major Discipline.

II. **Major Discipline Specific Elective Course (MJDSEC)**
MJDSEC are the discipline-specific open elective courses offered from a pool of courses by the department itself. **MJDSEC once opted by a student shall not be changed.**

III. **Minor Generic Elective Course (MNGEC)**
MNGEC courses will provide multi-disciplinary or interdisciplinary knowledge to students. These will be offered from a pool of courses by different departments of studies across different Faculties; to be opted by students other than their major discipline or specialization. It may belong to the same Faculty of study but subjects must be different.
Example: If a student is admitted in UG (Honours/Honours with Research) in Mathematics, He/ She may opt for any subject (other than Mathematics) belonging to any Faculty as MNGEC.
MNGEC once opted by astudentshall not be changed.

IV. **Skill Enhancement Course (SEC)**
Departments shall offer these courses across Faculties. These courses are aimed at imparting practical skills, hands-on training, soft skills, etc., to enhance the employability of students. Students may pick SEC offered by their own department or any other department of the University. SEC once opted by a student shall not be changed.

V. **Ability Enhancement Course (AEC)**
AEC courses will aim to create competency in a Modern Indian Language (MIL) and in the English language with special emphasis on language and communication skills. These courses should enable students to acquaint themselves with the cultural and intellectual heritage of the chosen MIL and English language. These will be offered by the Univesrsity from a pool of courses not specific to any faculty/subject. **AEC once opted by a student shall not be changed.**

VI. **Value Addition Course (VAC)**
These courses will be based on ethics, culture, Indian Knowledge systems, constitutional values, etc. to understand India, Sports education, Yoga education, Health and Fitness education, Environmental education, digital and technological solutions, and similar courses. These will be offered by the University from a pool of courses or/and will be done through SWAYAM/MOOCS & equivalent Government portals.

VII. **VIAPCW: Vocational Course/ Internship/Apprenticeship/ Project/ Community Outreach/ Workshop:**
To be done after second semester for the purpose of exit with UG Certificate with single major or after fourth semester to exit with UG Diploma with single major or to continue the above Degree course.

VIII. **Research Project / Dissertation:**
To be done by those who get admission in Four Year Under Graduate (Honours with Research) with Single Major Degree programme.

Table-4

Structure and Cradit Framework of Four Year Under Graduate (Honours/Honours with Research) with Single Major [{FYUG (H/HR)SM}] Degree Programme

Semester	Level of Course	Major Discipline SpecificCore Course (MJDSCC)	Major Discipline Specific Elective Course (MJDSEC)	Minor Generic Elective Course (MNGEC)	AbilityEnhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	ValueAddition Course(VAC)	Dissertation/ Seminar	Total Credits
I*	Foundation or Introductory Level	MJDSCC I-Cr.3 MJDSCC II-Cr.3 MJDSCC III-Cr.3 MJDSCC IV-Cr.3		(Pool of Courses) MNGEC I-Cr.4	(Pool of Courses) AEC I-Cr.2	(Pool of Courses) SEC I-Cr.2	(Pool of Courses) VAC I-Cr.2		22
II*		MJDSCC V-Cr.3 MJDSCC VI-Cr.3 MJDSCC VII-Cr.3 MJDSCC VIII-Cr.3		(Pool of Courses) MNGEC II-Cr.4	(Pool of Courses) AEC II-Cr.2	(Pool of Courses) SEC II-Cr.2	(Pool of Courses from Swayam) VAC II-Cr.2		22
Credits I+II		**24**		**8**	**4**	**4**	**4**		**44**
Notes:		For exit with UG Certificate with Single Major,VIAPCW of 4 credits after first year is mandatory.							**44+4* (mandatory for UG Certificate)**

Exit-1 and Re-entry: One Year Undergraduate with Singh Major Certificate after securing 44 credits in two semesters (one year) of a Four Year UG (Honours/Honours with Research) with Single Major and in addition 4 credits through a Vocational Course/ Internship/ Apprenticeship/ Project/ Community Outreach/Workshop (VIAPCW). With these credits a student may take re-entry in the Second Year(Third Semester) of the Four Year UG (Honours/ Honours with Research) with Single Major programme.

III*	Intermediate Level	MJDSCC IX-Cr.3 MJDSCC X-Cr.3 MJDSCC XI-Cr.3 MJDSCC XII-Cr.3	(Pool of Courses) MJDSEC I-Cr.4 or MNGE III-Cr.4		(Pool of Courses) AEC III-Cr.2	(Pool of Courses) SEC III-Cr.2			20
IV*		MJDSCC XIII-Cr.3 MJDSCC XIV-Cr.3 MJDSCC XV-Cr.3 MJDSCCX VI-Cr.3	(Pool of Courses) MJDSEC II-Cr.4 or MNGE IV-Cr.4		(Pool of Courses) AEC IV-Cr.2	(Pool of Courses) SEC IV-Cr.2	(Pool of Courses) VAC III-Cr.2		22
Credits III+IV		**24**	**0 or 4 or 8**	**8 or 4 or 0**	**4**	**4**	**2**		**42**
Total Credits (I Yr+II Yr)		**48**	**0 or 4 or 8**	**16 or 12 or 8**	**8**	**8**	**6**		**86**
Note: For exit with UG Diploma with Single Major, VIAPCW of 4 credits either after first year or after second year is mandatory.									**86+4 (mandatory forUG Diploma**

Exit-2 and Re-entry: Two Year Undergraduate with Single Major Diploma (fifth semester) after securing 86 credits in four semesters of a Four Year UG (Honours/ Honours with Research) with Single Major program and in addition 4 credits through a Vocational Course/ Internship/ Apprenticeship/ Project/ Community Outreach/ Workshop (VIAPCW)*. With these credits a student may re-enter in the third year of the above degree programme.

V	Higher Level	MJDSCC 4 Cr x 3 (3 Th Or 2Th + 1 Pr)	(Pool of Courses) MJDSEC -Cr.4	(Pool of Courses) MNGE - Cr.4	....				20
VI		MJDSCC 4 Cr x 3 (3 Th Or 2Th + 1 Pr)	(Pool of Courses) MJDSEC -Cr.4	(Pool of Courses) MNGE - Cr.4	.....			-	20
Credits V+VI		**24**	**8**	**8**					**40**
Total Credits (Iyr +IIyr + IIIyr)		**72**	**8 or 12 or 16**	**24 or 20 or 16**	**8**	**8**	**6**		**126**
Total Credits after Three-Years (UG Degree)									**126**

- **Requirements for the entry/ re-entry in semester VII for UG (Honours) with Single Major :Refer point 5.3.2**
- **Requirements for the entry/ re-entry in semester VII for UG (Honours with Research) with Single Major :Refer point 5.3.2**

VII for UG (Honours)	Advanced Level	MJDSCC 4 Cr x 3 (3 Th Or 2Th + 1 Pr)	MJDSEC 4 Cr			Research Methodology- Cr. 4			20
VIII for UG (Honours)		MJDSCC 4 Cr x 3 (3 Th Or 2Th + 1 Pr)	MJDSEC Cr.4		-			Dissertation 4 Cr	20
Credits VII+VIII (UG Honours)		**24**	**4**	**4**		**4**		**4**	**40**

Total Credits (I Yr+IIYr+IIIYr+IVYr)		**96**	**12 or 16 or 20**	**28 or 24 or 20**	**8**	**12**	**6**	**4**	**166**
VII for UG (Honours with Research)	Advanced Level	MJDSCC 4 Cr x 3 (3 Th Or 2Th + 1 Pr)			-	Research Methodology -Cr. 4	-	Dissertation Cr.4	20
VIII for UG (Honours with Research)		MJDSCC 4 Cr x 3 (3 Th Or 2Th + 1 Pr)			-	-	-	Dissertation Cr. 8	20
Credits VII+VIII (UG Honours with Research)		**24**				**4**		**12**	**40**
Total Credits (I Yr+IIYr+IIIYr+IVYr)		**96**	**8 or 12 or 16**	**24 or 20 or 16**	**8**	**12**	**6**	**12**	**166**
Total Credits after Four Years (UG Honours with Research) with Single Major									**166**

* : A department may offer three MJDSCC of 4 Credits in place of four MJDSCC of 3 Credits.

Abbreviations

{FYUG (H/HR) SM}: Four-Year Undergraduate (Honours/Honours with Research) with Single Major
MJDSCC: Major Discipline-Specific Core Course
MJDSEC: Major Discipline-Specific Elective Course
MNGEC: Minor Generic Elective Course
AEC: Ability Enhancement Course
SEC:Skill Enhancement Course
VAC: Value Addition Course
VIAPCW: Vocational Course/ Internship/Apprenticeship/ Project/ Community Outreach/ Workshop